



कृषि मूलना सेवा (धान)

१०९४ मध्ये एप्रिल मास प्रथम पक्ष पार्श्व कार्यपन्ना

- ❖ काण्डिक्षा पोकर निराकरण पार्श्व एकर प्रति ३ गोटी घोन घयेदनशाळ यन्त्रा (फेरोमन ट्राप) रहन्तु। येतेबेले गोटी दिनरे यन्त्रा प्रति ४ रु ४ पूरुष प्रजापति पतिवेत, तेवेत एकर पिछा निम मंडिरु तिथारि ओषध यथा आजातिराक्तिन् ०.१४% एकर प्रति ८०० मि.लि. ओषध ७०० लिटर पाणीरे मिशाइ फिरन करन्तु किमा एकर प्रति क्लॉरान्ट्रनिलिप्रोल ४ के.जि ०.४% जि.आर किमा १० कि.ग्रा. कार्टप द्वारा क्लॉरान्ट्रनिलिप्रोल ४ के.जि. घमान परिमाणर शुद्धला बाल्किरे मिशाइ प्रयोग करन्तु किता १००-१७० मि.लि. ट्रेन्ट्रनिलिप्रोल ७०० जि./एल किमा ७० मि.लि. क्लॉरान्ट्रनिलिप्रोल १८.४% एस.सि. ७०० लिटर पाणीरे मिशाइ फिरन करन्तु।
- ❖ रुआधानरे पिल बाहुरिबा घमायरे एकर प्रति ३४ कि.ग्रा. युरिआ घट्टित ११ कि.ग्रा. एम.ओ.पि (घमाघमार) प्रयोग करन्तु। कादुअ बुशा धानरे एकर प्रति ७७ कि.ग्रा. युरिआ घट्टित ११ कि.ग्रा. एम.ओ.पि. प्रयोग करन्तु।
- ❖ यदि पत्रिकिता रोग देखादिए तेवेत एकर प्रति ४०० ग्राम कार्बोर्शिकिम् १७% + माङ्कोजेव ७३% तब्बु.पि. किमा एकर प्रति ७०० मि.लि. प्रेपिकोनाजेल ७०० लिटर पाणीरे मिशाइ फिरन करन्तु।
- ❖ एस्ट्री पक्षरे बायमुमण्डलर तापमात्रा घाधारणारु अधूक रहिव ओ धूरे धूरे बढिवार पूर्वानुमान रक्षित। अधूक तापमात्रा घट्टित मर्झिरे मर्झिरे कालरेशाखा बर्षायोग्य बादामागुणि पोक (बे.पि.एर) वा चकदा पोक आकुमणर अधूक घमावना अस्ति। बादामागुणि पोकर आर्थिक देहल १ घमारेखा अर्थात् ४-१० गोटी पोक बुदा प्रति देखादेले निमुक्तिक उपदेशगुच्छिक धानरे रहन्तु। धान गत्रर घृष्ण परिवेशकु बदलाकरा आवश्यक। येपरिकि जमिकु किछिदिन आर्त एवं किछिदिन शुद्धला करिबा अर्थात् अधूक घमाय पर्याप्त जमिरे ठापाणि रहन्तु नाहि॑। एहा घट्टे यदि पोक नियन्त्रण नहुए तेवेत निम मंडिरु तिथारि ओषध यथा आजातिराक्तिन् ०.१४% कु एकर पिछा ८०० मि.लि. ओषध ७०० लिटर पाणीरे मिशाइ फिरन करन्तु किमा एकर पिछा ग्राइफ्ट्स्मेजेपाकरिम् १०% एस.सि. ४४ मि.लि. किमा पाकमेट्रोजिन् ४०% तब्बु.जि १७० ग्राम किमा एसिफेट् ७४% एस. पि. ४०० ग्राम प्रयोग करन्तु। बादामागुणि पोक लागिथ्यले केवल अनुमोदित ओषध ही॑ उपयुक्त परिमाणर ब्यवहार करन्तु।
- ❖ यदि महिक्षारोग देखायाए, ग्राइफ्ट्स्मेजेबिन् ७४% + टेबुकोनाजेल ४०% एकर प्रति ८० ग्राम किमा एसिफेन्फ्यू ४० ल.सि. एकर प्रति ७०० मि.लि. किमा एकर प्रति कायमामाइसिन् ३ एस.एल. ४०० मि.लि., ७०० लिटर पाणीरे मिशाइ फिरन करन्तु।

- ❖ ଯଦି ପଡ଼ୁପୋତା ଦେଖାଯାଏ ତେବେ ଏହାର ନିୟମଙ୍କଣ ପାଇଁ ଏକର ପିଛା ୨୦୦ ଗ୍ରାମ ପ୍ଲାଟୋମାଇସିନ୍ ସହିତ ୨୦୦ ଗ୍ରାମ କପର ଅକ୍ଷିକ୍ଷେତ୍ରର ମିଶ୍ରଣକୁ ୨୦୦ ଲିଟର ପାଣିରେ ମିଶାଇ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ।
- ❖ ଯଦି ଗନ୍ଧିପୋକର ଆର୍ଥିକ ଦେହଳୀ ସାମା ଅର୍ଥାତ୍ ବୁଦାପ୍ରତି ୨୨ ଅଧିକ ଗନ୍ଧିପୋକ ଦେଖାଯାଏ ତେବେ ପ୍ରତି ଏକର ପିଛା ଇଥୋଫେନପ୍ରକୃତି ୧୦ ଲ.ସି. ୨୦୦ ମି.ଲି. ୨୦୦ ଲିଟର ପାଣିରେ ମିଶାଇ ସିଂଚନ କରନ୍ତୁ କିମା ମାଳାଥୁଅନ୍ ଷ୍ଟ ଟି. ୧୦ କି.ଗ୍ରା. ଗୁଣ୍ଠକୁ ସକାଳେ ପବନ ନଥୁବା ସମୟରେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ।
- ❖ ଯଦି କେଣ୍ଟାକଟା ସଂବାଲୁଆ ଦେଖାଯାଏ ତେବେ ଏକର ପ୍ରତି ୪୦୦ ମି.ଲି. କୁଳନାଳପଂସ ୨୫ ଲ.ସି. କିମା ୪୦୦ ମି.ଲି. କ୍ଷେତ୍ରରେ ପାଇଁ ପ୍ରତିକରିତିପରିପାଳନ କରନ୍ତୁ ।
- ❖ ଯେଉଁ ଜମିରେ ମାଟିର ଆର୍ଦ୍ରତା ଅଛି ସେଠାରେ ପ୍ରଥମ ଖରଟିଆ ରଖି କରି ଦିଅନ୍ତୁ ।
- ❖ ରାଷ୍ଟ୍ରୀଭାଇମାନେ ଧାନ ରଖି ସମ୍ପର୍କରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ବା ବିବରଣୀ ଜାଣିବା ପାଇଁ ଜାତୀୟ ଧାନ ଗବେଷଣା ଅନୁଷ୍ଠାନ, କଟକ ଦ୍ୱାରା ବିକଟିତ ରାଇସ ଏକ୍ସପାର୍ଟ୍ ମୋବାଇଲ ଆପ୍ (riceXpert) ଗୁଗୁଳ ଫ୍ଲେଷ୍ଟାରରୁ ଡାଟନ୍ଲୋଡ କରି ବ୍ୟବହାର କରିପାରିବେ ।
